SHRI BALAVANT *alias* BAL APTE: There are, at least, twelve people who are having bullets in their bodies. They need extraction; they need operation and that needs money. The money is also not being given. इसलिए यह जो दो-तीन बातें हैं, इनमें urgently कुछ होने की जरूरत है, इसलिए मैं ऐड कर रहा हूं।

Concern over the crisis arising out of the lack of fertilizers and seeds in Uttar Pradesh

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश में गंभीर खाद और बीज के संकट की तरफ दिलाना चाहता हूं। सर, उत्तर प्रदेश में खरीफ की फसल बर्बाद हो गई, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से में बाढ़ आ गई और कुछ हिस्से में सूखा पड़ गया, जिससे उत्तर प्रदेश का किसान, जो धान उत्पाद करने का काम करता है, उसकी धान की फसल आधी रह गई है। इस समय रबी की फसल की बुआई उत्तर प्रदेश में और देश के अन्य भागों में चल रही है। पिछले दो वर्षों से उत्तर प्रदेश में गेहूं की बुवाई के समय खाद का गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है। स्थिति यह हो गई है कि साधन सहकारी समिति और जो सरकार की खाद एजेंसियां हैं, उन पर किसानों की लम्बी-लम्बी लाइनें लग रही हैं, फिर भी, किसानों को खाद उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। वहां पर भयंकर रूप से खाद की कालाबाजारी हो रही है। डीएपी उत्तर प्रदेश में सात सौ रुपये से लेकर एक हजार रुपये प्रति बोरी मिल रही है। ...(**व्यवधान**)...

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश): यह तो केन्द्र सरकार की तरफ से ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं। आप बैठ जाइए।...(**व्यवधान**)... आप बीच में बात मत करिए। ...(**व्यवधान**)... यह जीरो ऑवर है। ...(**व्यवधान**)... आप रूल्स को फॉलो कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

डा. अखिलेश दास गुप्ता: *

श्री अवतार सिंह करीमपुरी: *

श्री वीर सिंह: *

श्री उपसभापति: मैं आपको और वक्त नहीं दे सकता हूं। आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)... आप पढ़ते जाइए, आप बोलते जाइए।...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... उनको कुछ भी कहने दीजिए। यादव जी, आप बोलते जाइए। आपका रिकार्ड में जाएगा। ...(**व्यवधान**)... देखिए। ...(**व्यवधान**)... आपकी बात रिकॉर्ड नहीं होगी। सिर्फ यादव साहब की बात रिकार्ड होगी, दूसरे सदस्यों की बात रिकार्ड नहीं होगी। ...(**व्यवधान**)... यादव जी, आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)... I have not permitted you. ***...(Interruptions)...*** I have not permitted you. ***...(Interruptions)...***

श्री नन्द किशोर यादव: सर, खाद की कालाबाजारी हो रही है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I cannot help. ***...(Interruptions)...*** If time is over, I cannot help. ***...(Interruptions)...***

श्री वीर सिंह: *

श्री वीरेन्द्र भाटिया: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record. ***...(Interruptions)...***

श्री अवतार सिंह करीमपुरी: *

श्री नन्द किशोर यादव: सर, कालाबाजारी हो रही है। डीएपी एक हजार रुपये बोरी बेची जा रही है। ...(**व्यवधान**)...

* Not recorded.

श्री उपसभापति: श्री डी. राजा। ...(**व्यवधान**)...

श्री नन्द किशोर यादव: सर, हमारी पूरी बात नहीं हो पाई है।.. (**व्यवधान**).. सर, हमारी पूरी बात नहीं हो पाई है।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: देखिए, आप मेरी बात सुनिए। हम मेम्बर्स से रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि Please don't disturb. In spite of that if they disturb, the House will go on. The proceeding will go on. ...*(Interruptions)*... आप जो कहेंगे, वह रिकार्ड में जाएगा। ...(**व्यवधान**)... उनकी बात रिकार्ड में नहीं जाएगी, उनकी बात रिकार्ड में नहीं जाएगी। ...(**व्यवधान**)...

श्री नन्द किशोर यादव: सर, गन्ने का उत्पादन कम हो गया है और पूरे किसान इस समय गेहूं की फसल पर आश्रित हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश में आज डीएपी की खाद नहीं मिल पा रही है। जो कृषि दफ्तर है, जो साधन सहकारी समितियां हैं, वे पूरी तरह से फेल हो गई हैं। जो बड़े काश्तकार हैं, उनको किसी तरह से केवल चार बोरी खाद मिल पा रही है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, मुझे यह तो पता नहीं कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने कितने खाद की आवश्यकता है, उसकी कोई योजना या उसका कोई प्रारूप केन्द्र सरकार को भेजा है या नहीं भेजा है, लेकिन वर्तमान में उत्तर प्रदेश में खाद का गंभीर संकट है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप बोलिए।

श्री नन्द किशोर यादव: मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह इस समस्या की तरफ ध्यान देने का काम करें। बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... आप बैठ जाइए।...(**व्यवधान**)... श्री वीरेन्द्र भाटिया जी, आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... Mr. Bhatia, don't disturb the House. Please, sit down. Now, Shri D. Raja.

Agitation of fishermen in the country, particularly in Tamil Nadu

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I am raising an issue which is not partisan political issue. It is an issue which concerns our fishermen which needs united focussed national attention and also urgent action by the Government. Indian fishermen, particularly lakhs of Tamil Nadu fishermen, are deeply agitated at the restrictions on their fishing. As it is, Tamil Nadu fishermen face violence from the Sri Lankan Navy, from which our Government has offered no credible protection. Now, it is all the more shocking that the Government wants fishermen not to cross invisible lines in the Ocean. It is strange that the Government wants to levy lakhs of rupees as fines on fishing boats and even desist them if they cross 12 miles limit. How will Indian fishermen know where that 12-mile limit is when the huge Indian Coast Guard, with a huge fleet, is unable to stop seizure of Indian fishermen by the Pakistani Navy and by the Sri Lankan Navy? How will they enforce the draconian rules in our waters? I urge upon the Government to review all the foreign treaties touching on our marine resources. Fishermen already face severe problems. When the State Government issues licences for fishing boats, there is no need for the Central Government to set up a parallel licensing system. Before the Government finalises the draft Marine Fisheries (Regulation and Management) Bill, 2009, all the coastal States must be consulted and it is imperative on the part of the Union Government to consult all the coastal State Governments. Very recently, it has been reported that the Tamil Nadu Chief Minister has